मटर

हल्की दोमट मिट्टी का चुनाव मटर उत्पादन हेतु अच्छा है।

1. **खेत की तैयारी** :– एक जुताई मिट्टी पलटने वले हल एवं दूसरी जुताई कल्टीभेटर से करके पाटा लगा देते हैं।जिससे खेत समतल हो जाए।
2. **बीज दर** :– 30 से 32 ाह प्रति ऐकड़
3. **प्रभेद** :–पूसा प्रभात, मालवीय मटर, भ्न्क्च15 अररिया के लिए उपयुक्त प्रभेद है।
4. **बीजोउपचार** :– 2हउ प्रति किलो बीज की दर से कैप्टान से बीज को उपचारित करें। राइजोबियम से भी उपचारित करना आवश्यक हैं।
5. बंआई पंक्ति से पंक्ति 30बउ तथा पौधे से पौधा 10बउ की दर से बुआई करें :–
6. उर्वरक प्रबनधन 40 ाह क।च प्रति एकड़ बुआई से पूर्व जुताई के समय कर दे।
7. **खरपत्तवार प्रबन्धन** :– दो से तीन बार निकाई गुड़ाई पहली 30 से 35 दिनो पर तथा दूसरी 60–65 दिनो पर की जाए। रसायनिक विधि से पेन्डामिथिलीन 12उस प्रति ऐकड़ की दर से बुआई के दो दिन के अनदर करें।
8. कीट **एवं रोग प्रबन्धन** :–

(1) उकठा रोग :– कैप्टान या थीरम 2हउ प्रति किलो बीज का उपचार करना फायदेमंद होता है। बीटा मैकस 6हउ प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना फायदेमंद है। पाअडरी मिलईयू –सल्फेकस 3हउ प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट में फल छेदक/तना छेदक ऐसीकेट 75 ूच 0ण्5 हउ प्रति लीटर की दर से छिडकाव करें। लीफ माइनर डाम्मेथोएट 1उस प्रति लीटर की दर से पानी से छिडकाव करें।

9. **कटनी एवं भण्डारण** :– हरी छेमी 60 से 65 दिनों में तुडाई कर सकते हैं। फसल एवं दूरी तरह से सूख जाने पर दौनी कर भंडारण करें। 135 से 140 दिन में फसल तैयार हो जाता है।